3 मात्राएँ तथा शब्द-रचना (Vowel Symbols & Word Makin

व्यंजनों के साथ लगे चिह्नों को मात्रा कहते हैं। स्वर जब व्यंजन के साथ जुड़ते हैं मात्रा का रूप ले लेते हैं।

प्रत्येक स्वर का निश्चित चिह्न होता है जो मात्रा कहलाता है।

मूल रूप में सभी व्यंजन बिना स्वर के होते हैं। अ स्वर मिलाने पर इनका रूप पूरा हो जा है। शब्द बनाते समय व्यंजन के साथ स्वर आने पर उसे मात्रा के रूप में लिखा जाता है

शब्द वर्णों का वह समूह होता है जिसका कोई अर्थ हो।

स्वर, उनकी मात्राएँ तथा व्यंजन के साथ मिलकर बना रूप इस प्रकार है–

स्वर	मात्रा	व्यंजन+स्वर	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	प् + अ = प	पवन
आ	ा	प् + आ = पा	पावन
इ	ि	प् + इ = पि	पिता
ई	ी	प् + ई = पी	पीला
उ	ु	प् + उ = पु	पुल
ऊ	ू	प् + ऊ = पू	पूजा
ऋ	ृ	प् + ऋ = पृ	पृथ्वी
ए	े	प् + ए = पे	पेन
ऐ	ै	प् + ऐ = पै	पैसा
ओ	ो	प् + ओ = पो	पोता
औ	ौ	प् + औ = पौ	पौधा

र् में उ, ऊ की मात्रा दाईं तरफ़ बीच में लगती है।

र्	+	उ	= रु	रुपया
र्	+	ऊ	= रू	रूठना

अब हम जान गए–

- हम जब शब्द लिखते हैं तो व्यंजनों के साथ कुछ चिह्न लगाते हैं। व्यंजन के साथ जुड़ा स्वर मात्रा के रूप में लिखा जाता है।
- वर्णों का वह समूह शब्द कहलाता है जिसका कोई अर्थ हो।

Scanned with OKEN Scanner

अब आपकी बारी

वर्कशीट–3

1. सही वर्ण पर मात्रा लगाकर शब्द बनाएँ–

सीढ़ी

गुलाब

रुपया

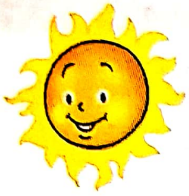

सूरज

मछली

थैला

2. वर्णों को सही क्रम में लिखकर सार्थक शब्द बनाएँ–

थी	हा
हा	थी

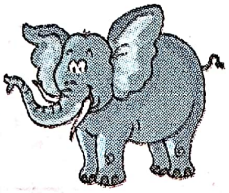

ट	का	म
म	ट	का

ल	ग	श	म
श	ल	ग	म

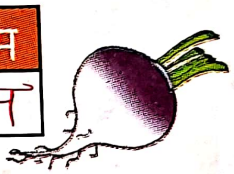

3. चित्रों की सहायता से शब्द पूरे करें–

Scanned with OKEN Scanner